OM-4- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 26/04/2021 1:55 PM Page 12

विधानसभा रोड पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा भव्य व दिव्य आयोजन

विधानसभा अध्यक्ष ने द्वादश ज्योतिर्लिंग झांकी का किया उद्घाटन

रायपुर-छ.ग. | विधानसभा रोड पर आयोजित द्वादश ज्योतिर्लिंग की झांकी का विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महन्त, शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, संसदीय सचिव रश्मि देवी, विधायक शैलेष पाण्डे, क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कमला दीदी द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया गया। झांकी का अवलोकन करने के पश्चात् कार्यक्रम में उपस्थित विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महन्त ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यहाँ पर लगाई गई प्रदर्शनी से जीवन की अनेक समस्याओं का अध्यात्म के द्वारा समाधान करने की प्रेरणा मिलती है, और शिव भक्तों को आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग को जीवन में अपनाने की भी प्रेरणा मिलेगी। शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा दिया जाने वाला ज्ञान प्रेरणादायक और अनुकरणीय है। संसदीय सचिव रश्मि देवी सिंह ने अपने मन के भाव रखते हुए कहा कि सेवाकेन्द्र पर शान्ति कुटीर में बैठने पर मन को असीम शांति का अनुभव हुआ। यहाँ पर आत्मिक शांति के साथ-साथ जीवन को जीने का रहस्य भी समझ में आया। बिलासपुर के विधायक शैलेष पांडे ने कहा कि मेडिटेशन करने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है। जीवन निर्विकारी और सुखी बन जाता है।

संकल्प शक्ति के सदुपयोग से ही होगी सुख-शांति

नीमच-म.प्र. | **ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा जिला मुख्यालय के सभी सम्माननीय न्यायाधीशों हेतु 'तनाव मुक्ति एवं एकाग्रता' विषय पर आयोजित कार्यशाला**

मोटिवेशनल स्पीकर राजयोगी ब्र.कु. सूर्य,माउण्ट आबू ने कॉमेन्ट्री द्वारा शक्तिशाली समर्थ संकल्प देकर सभी को तनावमुक्ति एवं गहन सुख-शांति की अनुभूति करवाई। उन्होंने आने वाली विभिन्न चुनौतियों से आगाह करते हुए कहा कि हमें ज़्यादा करना कुछ नहीं है,बस अपने आप के 'आत्म-स्वरूप' को पहचानकर अपनी संकल्प शक्ति को सकारात्मक और शक्तिशाली बनाकर न केवल खुद हम अपना बचाव कर सकते हैं अपितु अनेकानेक लोगों को राह दिखाकर उनकी भी रक्षा कर सकते हैं। इस तरह से हम अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। तनाव मुक्ति विशेषज्ञा ब्र.कु. गीता बहन ने कहा कि केवल हम 5-7 मिनट चुनिंदा श्रेष्ठ विचारों का मनन-चिंतन करके लगातार उन्हें दोहराना शुरु कर दें तो उसके चमत्कारी परिणाम प्राप्त होंगे। टी.वी. एंकर ब्र.कु. रूपेश भाई ने कहा कि एक छोटे से आध्यात्मिक प्रशिक्षण के माध्यम से समायोजित करना सीख लें तो जीवन की सर्व समस्याओं का हल सहज मिल जाएगा।

कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश हृदयेश श्रीवास्तव, फैमिली कोर्ट जज अखिलेश शुक्ला, स्पेशल जज विवेक श्रीवास्तव, ए.डी.जे. अजय सिंह ठाकुर, ए.डी.जे. संजय जैन, ए.डी.जे. विवेक कुमार, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी विवेकानंद त्रिवेदी, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार सदाशिव दांगड़े, सिविल जज एम.एस. दहलवी, डॉ. मनोज गोयल, स्वाति कौशल तथा प्रमिला रॉय सहित अनेक परिवार भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. सुरेन्द्र भाई तथा आभार प्रदर्शन ब्र.कु. सविता बहन ने किया।

भरतपुर सेवाकेन्द्र के द्वारा...

दादी हृदयमोहिनी को दी भावभीनी श्रद्धाजंलि

भरतपुर-राज. | ब्रह्माकुमारीज़ के विश्व शांति भवन 168-ए कृष्णा नगर सेवाकेन्द्र पर पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी के अव्यक्तारोहण पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में डॉ. विवेक शर्मा,प्राचार्य,एम.एस.जे. कॉलेज,भरतपुर ने कहा कि दादी जी के अंदर स्वयं परमात्मा द्वारा प्रदत्त इतने गुण एवं इतनी शक्तियां थीं कि उनका वर्णन शब्दों में संभव नहीं है। वे विश्व की माँ थीं जिन्होंने सारे विश्व की मनुष्य आत्माओं को माँ जैसी पालना दी। राजयोगिनी ब्र.कु. कविता दीदी ने कहा कि दादी जी 1936 में इस संस्था में 9 वर्ष की अल्पायु में समर्पित हो गई थीं। दादी अन्य से भिन्न थीं क्योंकि दादी जी को दिव्य दृष्टि का वरदान प्राप्त था। दादी जी के तन का उपयोग ईश्वरीय सेवा के लिए स्वयं भगवान ने किया था। दादी को अपनी व्याधि, पद व दिव्य शक्तियों का भान तक नहीं था। दादी जी एक सर्च लाइट थीं जिन्होंने अपने वायब्रेशन से विश्व को रोशन किया। अनुराग गर्ग,उपाध्यक्ष,अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन,दिल्ली ने कहा कि मैंने स्वयं माउण्ट आबू जाकर दादी जी की पालना ली है। वे स्नेह, प्यार एवं दिव्य गुणों से भरपूर थीं। गिरीश चौधरी,उप महापौर,नगर परिषद,भरतपुर ने कहा कि दादी जी से मिलकर ऐसा लगता था जैसेकि हम साक्षात परमात्मा के सम्मुख बैठे हैं। उनकी दृष्टि इतनी शक्तिशाली थी कि नज़र से निहाल कर देती थीं। डॉ. अर्चना ने सभी का स्वागत किया। ब्र.कु. पूनम बहन से दादी जी की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दादी जी गंभीरता की प्रतिमूर्ति थीं। लव और लॉ का बैलेंस रखती थीं। डॉ. महेश गुप्ता ने सभी का धन्यवाद किया।

मानवीय मूल्यों की रक्षा युवाओं का दायित्व

एन.सी.सी. कैडेट्स युवाओं को ब्रह्माकुमारीज़ ने किया सम्बोधित

वाराणसी-उ.प्र. | एन.सी.सी. कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. तापोशी ने कहा कि युवाओं का जीवन अनमोल है। युवा काल ही वह अनमोल घड़ी है जिसमें हम अपने जीवन, समाज, देश और विश्व को उत्थान या पतन की ओर ले जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि ब्रह्माकुमारी संस्था का युवा प्रभाग युवाओं में अंतर्निहित आत्मशक्ति की अभिवृद्धि कर नकारात्मकता एवं अनैतिक कार्यों में लिप्त मानव को उससे मुक्त कर जीवन में दिव्यता लाने की सेवा में तत्पर है। लेफ्टिनेंट कर्नल विकास चौहान ने एन.सी.सी. कैडेट्स को युवा अवस्था में युवाओं के अंदर निहित मानसिक एवं शारीरिक बल के साथ आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों के बल द्वारा स्वर्णिम युग की, एक सुखमय संसार की स्थापना में सहयोगी बनने की अपील की। राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. प्रभा ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान एवं इसकी गतिविधियों से युवा कैडेट्स को परिचित कराते हुए कहा कि हमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ विश्व पिता परमात्मा के कार्य में सहयोगी बन न केवल भारत अपितु पूरे विश्व में रामराज्य की स्थापना के निमित्त बनना होगा। ब्र.कु. प्रियंका एवं ब्र.कु. पूजा ने भी अपने विचार रखे। अंत में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा एन.सी.सी. कैडेट्स को मेडल प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की शुभ कामनायें दी गईं।

आशा की किरण को अंजाम देगा सच्चा प्रेम

समस्तीपुर-बिहार | ब्रह्माकुमारीज़ यूथ विंग के 'यूथ फॉर ग्लोबल पीस प्रोजेक्ट' के अंतर्गत 'सम्बंधों में सामंजस्य-सच्चा प्यार' विषय पर ब्र.कु. तरुण ने कहा कि सच्चा प्यार निःस्वार्थ होता है, जिसमें देने और त्याग की भावना होती है। किसी पक्षी को पिंजरे में बंद कर रखना प्रेम नहीं अपितु उसे पिंजरे से मुक्त कर उन्मुक्त गगन में विचरण करने के लिए छोड़ना ही सच्चा प्रेम है। इंडियन डेयरी एसोसिएशन के बिहार स्टेट चेप्टर के चेयरमैन डी.के. श्रीवास्तव ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाया जा रहा यह कार्य आज समय की मांग है। आज सबसे ज़्यादा ज़रूरत है कि युवाओं को स्वयं के साथ, लोगों के साथ व प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चलने की कला को आत्मसात करना चाहिए। पूर्व प्रो. रोसड़ा के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ. दिलीप ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. कृष्ण ने किया। ब्र.कु. सविता ने 'सम्बंधों में सामंजस्य-सच्चा प्यार' विषय पर मेडिटेशन कराया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd May, 2021
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक एवं सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस, डी.बी. कॉर्प.लि.,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News - www.omshantimedia.org